

---

# Shri Nimbadrilakshminrisimhaprapattih

श्रीनिम्बाद्रिलक्ष्मीनृसिंहप्रपत्तिः

## Document Information

---

Text title : Shri Nimbadrilakshminrisimhaprapattih

File name : nimbAdrIlakShmInRRisiMhaprapattiH.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra, lakShmI, prapatti

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : M K Barman

Description/comments : nRRisiMhakosha 2 upAsanA khaNDa

Latest update : August 4, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 4, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Nimbadrilakshminrisimhaprapattih

---

## श्रीनिम्बाद्रीलक्ष्मीनृसिंहप्रपत्तिः

---



लक्ष्मी पक्षिरथस्य वक्षसि गतामञ्जे क्षणीमञ्जाम् ।

क्षुद्रक्षुब्धदरिद्रभक्तजनतारक्षादृरीलक्ष्माम् ।

क्षीरोदप्रिय पुत्रिकान्त्रिजगतः क्षेमङ्कुरी भास्वरीम् ।

वन्दे निम्बगिरीशमेश नृन्दरेर्वामाङ्गुगां मातरम् ॥ १ ॥

जननी जगतामशेषशक्तेर्जगदीशस्य जनार्दनस्य पत्नीम् ।

कमलाममलाञ्जपत्रनेत्रां कलये मनसा छिरण्यवर्णाम् ॥ २ ॥

लक्ष्मीपते नरन्दरे नतभक्तपाल

नारायणाम्भित सुभप्रद दैत्यडास्त्रिन् ।

निम्बाद्रिकन्दरनिवास सुरेशवन्द्य

लक्ष्मीनृसिंहचरणौ शरणं प्रपद्ये ॥ ३ ॥

भक्तस्समर्पित पवित्रसलस्रनाम

पूजविधीय तुलसीदलशोभमानौ ।

प्राप्यां भवाब्धितरणे तरणिस्रवणुपां

निम्बाद्रिनाथचरणौ शरणं प्रपद्ये ॥ ४ ॥

कालीयमस्तकमणीन्द्र विशेषशोभा

नीराजितो सुरनदीजननालवालौम् ।

भूम्यन्तरिक्ष परिमापक मानदण्डौ

निम्बाद्रिनाथचरणौ शरणं प्रपद्ये ॥ ५ ॥

राज्जवयङ्करथशङ्खघटातपत्र

सन्तानलस्तिमणिवज्रविशेषचिन्डेः ।

युक्तौ सुरासुरकिरीटमण्डिभूमासां

निम्बाद्रिनाथचरणौ शरणं प्रपद्ये ॥ ६ ॥

पद्माक्षमादिमण्डिषिभिरदल्लभित्या

संवाङ्मयमानमुद्दुलौ मधुरायमानाम् ।  
तापत्रयातुरजनस्य शरण्यभूतौ  
निम्बार्द्रिनाथयरणौ शरणं प्रपद्ये ॥ ७ ॥

पङ्कुरुद्धयसमागमसुन्दरौ तौ  
भक्ताक्षिभृङ्गापरिवेष्टितनीलशोभाम् ।  
राकाकलाधरदशैव नभप्रकाशां  
निम्बार्द्रिनाथ यरणौ शरणं प्रपद्ये ॥ ८ ॥

सद्भक्तमानससरोवरराजडंसा  
साङ्गाभिलश्रुतिशिरोमकटायमानाम् ।  
ब्रह्मादिडीरजगदेकशरण्यभूतौ  
निम्बार्द्रिनाथ यरणौ शरणं प्रपद्ये ॥ ९ ॥

प्रह्लादगौतमसती मुयकुन्द पार्थ  
भीष्मादिभक्तजनसंवितभव्यरूपौ ।  
सर्वाद्यशान्तिकरसर्वशरण्यभूते  
निम्बार्द्रिनाथ यरणौ शरणं प्रपद्ये ॥ १० ॥

गोविन्दलान्वयसुधाकरनारसिंह  
श्रीश्रीनिवासगुरुपुङ्गवयुग्मकेन ।  
प्राप्यौ तवेति ममदर्शितपैतृकस्वौ  
निम्बार्द्रिनाथ यरणौ शरणं प्रपद्ये ॥ ११ ॥

एति श्रीनिम्बार्द्रीलक्ष्मीनृसिंहप्रपत्तिः सम्पूर्णा ।

Proofread by M K Barman

---

—  
*Shri Nimbadrilakshminrisimhaprapattih*  
pdf was typeset on August 4, 2025  
—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

